NEXT IAS

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 20-01-2025

विषय सूची

अनुबंध खेती (Contract Farming)

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों पर ILO की रिपोर्ट

2024-25 के लिए संशोधित खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) नीति

स्पैम से निपटने के लिए लेजर प्रौद्योगिकी (Ledger Technology to Tackle Spam)

बाह्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

संक्षिप्त समाचार

कलारिपयाट्टू

ब्रिक्स (BRICS)

प्रतिभूति लेन-देन कर

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन

डार्क ऑक्सीजन (Dark Oxygen)

भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक प्रणाली

DDT-युक्त मिट्टी

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

जलकुंभी (Water Hyacinth)

NDRF स्थापना दिवस

अनुबंध खेती (Contract Farming)

संदर्भ

- भारत में फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज़ के आयात से निर्यात की ओर बदलाव, कृषि उद्योग और किसानों दोनों के लिए अनुबंध खेती के महत्त्व को प्रकट करता है।

अनुबंध खेती क्या है?

- अनुबंध खेती किसानों और खरीदार के मध्य एक समझौते के अनुसार किया जाने वाला कृषि उत्पादन है, जो वस्तु के उत्पादन एवं विपणन पर शर्तें आरोपित करता है।
    - **किसान:** वे खरीदार की आवश्यकताओं के आधार पर निर्दिष्ट कृषि वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए सहमत होते हैं, गुणवत्ता, मात्रा और समय मानकों का पालन करते हैं।
    - **खरीदार:** वे सामान्यतः कृषि व्यवसाय फर्म, प्रोसेसर, निर्यातक या खुदरा विक्रेता होते हैं जो उपज के लिए गारंटीकृत मूल्य के साथ बीज, उर्वरक एवं तकनीकी सूचना जैसे इनपुट प्रदान करते हैं।

अनुबंध खेती व्यवस्था के प्रकार

- **कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष इनपुट प्रावधान:** कंपनी किसानों को सभी आवश्यक इनपुट प्रदान करती है, तथा इन इनपुट एवं सेवाओं की लागत फसल कटाई और डिलीवरी के पश्चात् किसान को मिलने वाले मूल्य से घटा दी जाती है।

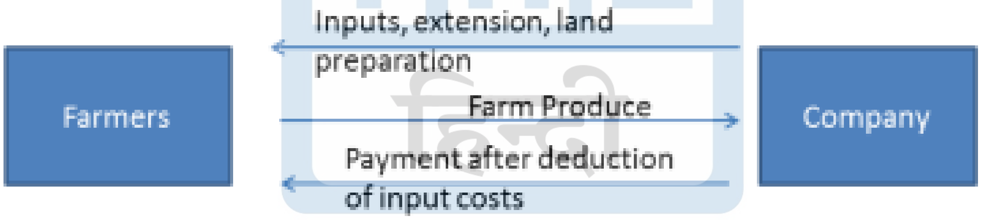

- **स्थानीय इनपुट डीलरों के साथ भागीदारी:** ये व्यवस्थाएँ कंपनी की भागीदारी के एक स्पेक्ट्रम का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो प्रत्यक्ष नियंत्रण और तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं पर निर्भरता के बीच संतुलन बनाती हैं। व्यवस्था का चुनाव इस पर निर्भर करता है:
    - स्थानीय सेवा प्रदाताओं की उपलब्धता।
    - कंपनी के संसाधन और क्षमताएँ।
    - फसल उत्पादन प्रक्रिया की जटिलता।

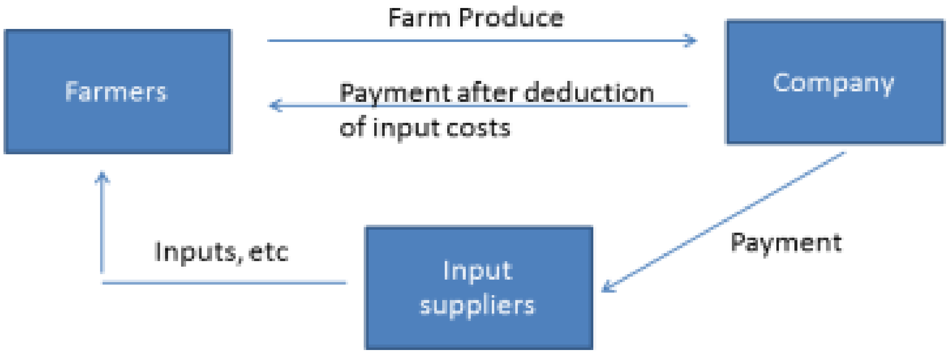

अनुबंध खेती के लाभ

- **सुनिश्चित आय:** किसानों को उनकी उपज के लिए पूर्व निर्धारित मूल्य पर बाजार मिलने का आश्वासन मिलता है, जिससे आय संबंधी अनिश्चितताएँ कम होती हैं।
- **गुणवत्तापूर्ण इनपुट तक पहुँच:** खरीदार उच्च गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक एवं उन्नत तकनीक प्रदान करते हैं, जिससे उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ती है।
- **कटाई के पश्चात् होने वाली हानि में कमी:** उचित मार्गदर्शन और बाजार तक पहुँच के साथ, कटाई के पश्चात् होने वाली हानि को कम किया जा सकता है।
- **ऋण तक पहुँच को सुगम बनाता है:** अनुबंध प्रायः किसानों को गारंटीकृत आय प्रवाह के कारण वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

अनुबंध खेती से जुड़ी चिंताएँ

- **शक्ति असंतुलन:** किसानों, विशेष रूप से छोटे किसानों के पास सौदेबाजी की सीमित शक्ति हो सकती है, जिससे वे शोषण के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं।
- **साइड-सेलिंग:** कभी-कभी किसान अनुबंधित उपज को बेहतर कीमत की पेशकश किए जाने पर अन्य खरीदारों को बेच देते हैं, जो समझौते का उल्लंघन है।
- **गुणवत्ता विवाद:** गुणवत्ता मानकों पर असहमति संघर्ष और भुगतान में विलंब का कारण बनती है।
- **सीमांत किसानों का बहिष्कार:** खरीदार बड़े किसानों के साथ कार्य करना पसंद करते हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसान हाशिए पर चले जाते हैं।
- **पर्यावरण संबंधी चिंताएँ:** विशिष्ट फसलों पर जोर देने से मोनोक्रॉपिंग, मृदा की कमी और इनपुट का अधिक उपयोग होता है।

सरकारी पहल और कानूनी ढाँचा

- **आदर्श कृषि उपज और पशुधन अनुबंध खेती और सेवा अधिनियम, 2018** किसानों के लिए उचित समझौतों, विवाद समाधान एवं सुरक्षा उपायों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।
- **किसान उत्पादक संगठन (FPOs)** अनुबंध खेती में किसानों के लिए सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति को प्रोत्साहित करते हैं।
- **e-NAM एकीकरण:** यह अनुबंध प्रवर्तन और मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता की सुविधा प्रदान करता है।
- **राष्ट्रीय कृषि नीति:** उत्पादकता और ग्रामीण आय बढ़ाने के साधन के रूप में अनुबंध खेती को बढ़ावा देती है।

आगे की राह

- अनुबंध खेती के सतत् विकास को सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रथाओं, तकनीकी प्रगति और मजबूत मूल्यांकन तंत्र पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।
- अनुबंधों को छोटे और सीमांत किसानों को समायोजित करने, शर्तों को सरल बनाने एवं किफायती इनपुट सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए।
- यह समावेशिता कम प्रतिनिधित्व वाले कृषक समुदायों को सशक्त बनाएगी, जिससे कृषि क्षेत्र में समान विकास सुनिश्चित होगा।

Source: IE

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों पर ILO की रिपोर्ट

संदर्भ

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी श्रमिकों पर अपने वैश्विक संभावना का चतुर्थ संस्करण प्रकाशित किया, जिसमें वैश्विक श्रम बाजार में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले महत्त्वपूर्ण योगदान और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी श्रमिकों (ILO) पर वैश्विक अनुमानों के प्रमुख निष्कर्ष

- **वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान:** 2022 में, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों ने वैश्विक श्रम बल का 4.7% (167.7 मिलियन) भाग बनाया, जिसमें कार्यरत और बेरोजगार दोनों व्यक्ति सम्मिलित हैं।
    - यह 2013 की तुलना में 30 मिलियन से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।
- **क्षेत्रीय वितरण:**
    - उच्च आय वाले देशों ने सबसे अधिक संख्या में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों को अपने में समाहित किया, जिनकी संख्या 68.4% (114 मिलियन लोग) थी, तथा यह मुख्य रूप से सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में, विशेषकर देखभाल के प्रावधान में हुआ।
    - उच्च-मध्यम आय वाले देशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की हिस्सेदारी 17.4% (29.2 मिलियन) थी।
    - उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में श्रम बल में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की हिस्सेदारी 23.3% थी, जबकि उत्तरी अमेरिका में यह 22.6% थी।

Global estimates of the stock of international migrants and international migrants in the labour force, 2022 (million)

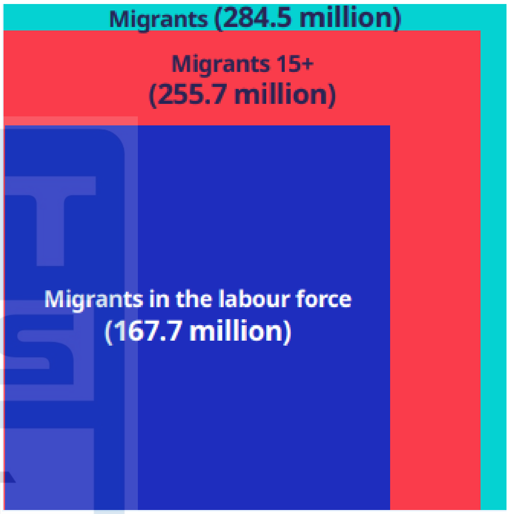

Global estimates of international migrants in the labour force, 2022 (million)

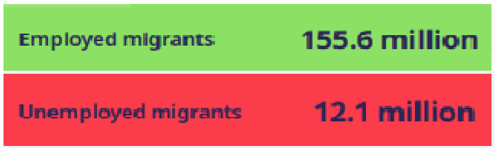

- **रोजगार क्षेत्र:**
    - **सेवा क्षेत्र:** 68.4% (गैर-प्रवासियों से अधिक);
        - महिलाएँ (80.7%) और पुरुष (60.8%);
        - देखभाल अर्थव्यवस्था: प्रवासी महिलाएँ (28.8%) और प्रवासी पुरुष (12.4%);
    - **उद्योग क्षेत्र:** 24.3%
    - **कृषि:** 7.4%
        - कृषि में गैर-प्रवासियों की हिस्सेदारी: 24.3%।
- **आयु संवितरण:**
    - **प्रारंभिक आयु वयस्क (25 से 54 वर्ष के बीच):** 74.9% (125.6 मिलियन);
    - **युवा (15-24 वर्ष के बीच):** 9.3% (15.5 मिलियन);

- **55-64 वर्ष के बीच:** 12.5%;
- **65 वर्ष से ऊपर:** 3.4%

Global labour force participation rate of international migrants and non-migrants by sex, 2022 (percentage)

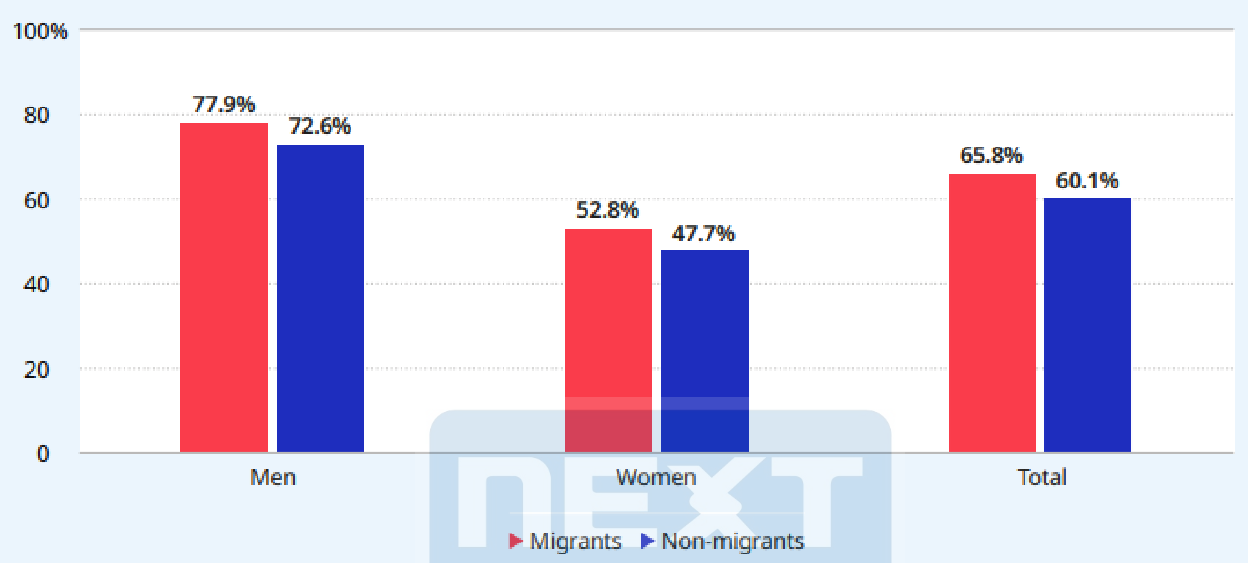

- **लिंग:**
  - कुल पुरुष रोजगार में पुरुषों की हिस्सेदारी 4.7% थी।
  - कुल महिला रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी 4.4% थी।
    - हालाँकि, 2015 के पश्चात् महिला अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है।

Global distribution of international migrants in the labour force by sex, 2022

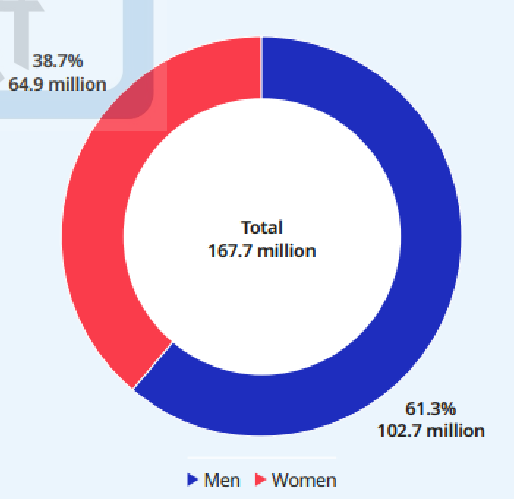

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों का महत्त्व

- मेजबान देशों में श्रम बाजार की कमी को दूर करना तथा अपने गृह देशों में धन प्रेषण में योगदान करना।
  - 2024 में, भारत को संभावित 129.1 बिलियन डॉलर का धन प्रेषण (विश्व का 14.3%) प्राप्त हुआ, जो किसी भी वर्ष में किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है। ये फंड परिवारों का समर्थन करते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं।

रिपोर्ट में चुनौतियाँ और विकास दर पर प्रकाश डाला गया

- रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 और 2022 के बीच अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की वृद्धि दर सालाना 1% से भी कम हो गई है, जो महामारी जैसे कारकों से प्रभावित है।

- **लैंगिक असमानताएँ:** प्रवासी महिलाओं को प्रवासी पुरुषों (6.2%) की तुलना में उच्च बेरोज़गारी दर (8.7%) का सामना करना पड़ा, और उनका रोज़गार-से-जनसंख्या अनुपात पुरुषों के लिए 72.8% की तुलना में 48.1% पर अत्यंत कम था।
  - इन असमानताओं में योगदान देने वाले कारकों में भाषा संबंधी बाधाएँ, गैर-मान्यता प्राप्त योग्यताएँ, भेदभाव, सीमित चाइल्डकेअर विकल्प और लिंग-आधारित अपेक्षाएँ शामिल हैं।
- **उच्च बेरोज़गारी दर:** प्रवासियों को गैर-प्रवासियों (5.2%) की तुलना में उच्च बेरोज़गारी दर (7.2%) का सामना करना पड़ा, जिसमें महिलाएँ अधिक प्रभावित हुईं।

नीति अनुशंसाएँ

- श्रम प्रवास के लाभों को अधिकतम करने के लिए, ILO व्यापक नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है जो श्रम गतिशीलता को बढ़ाती हैं, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करती हैं और समावेशी विकास को बढ़ावा देती हैं।
- इन नीतियों को प्रवासी श्रमिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करना चाहिए, उनकी सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के संबंध में

- यह एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जिसकी स्थापना 1919 में वर्सेल्स की संधि के भाग के रूप में हुई थी जिसने प्रथम विश्व युद्ध को समाप्त किया था, और यह 1946 में संयुक्त राष्ट्र की प्रथम विशेष एजेंसी बन गई।
- यह एकमात्र त्रिपक्षीय यू.एन. एजेंसी है जो सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को एक साथ लाती है।
- इसके 187 सदस्य देश हैं।
- यह श्रम मानक निर्धारित करता है, नीतियाँ विकसित करता है और सभी महिलाओं और पुरुषों के लिए सभ्य कार्य को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम तैयार करता है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

प्रमुख रिपोर्ट/प्रतिवेदन

- विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्य (WESO);
- वैश्विक वेतन रिपोर्ट;
- विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट;
- युवाओं के लिए विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्य;
- रिपोर्ट वर्ल्ड ऑफ वर्क रिपोर्ट

Source: TH

2024-25 के लिए संशोधित खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) नीति

समाचार में

- हाल ही में, सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए खुली बाजार बिक्री योजना (घरेलू) [OMSS(D)] नीति में एक महत्त्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की।

खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू)

- इस योजना में भारतीय खाद्य निगम (FCI) द्वारा केंद्रीय पूल से अतिरिक्त खाद्यान्न (गेहूँ और चावल) की आवधिक बिक्री सम्मिलित है।
- ई-नीलामी के माध्यम से उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा तय पूर्व निर्धारित कीमतों पर डीलरों, थोक उपभोक्ताओं एवं खुदरा शृंखलाओं को खुले बाजार में बिक्री की जाती है।
    - 2022-23 में, कर्नाटक, तमिलनाडु, झारखंड, जम्मू एवं कश्मीर और असम ने OMSS के अंतर्गत चावल का सबसे अधिक हिस्सा खरीदा।
- **OMSS में राज्यों की भूमिका:** राज्य अपने NFSA आवंटन से परे अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नीलामी में भाग लिए बिना OMSS के अंतर्गत खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं।
    - अर्जित अनाज राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के लाभार्थियों के मध्य वितरित किया जाता है।
- **खरीद प्रक्रिया:** सरकारी खरीद अनुमानों के आधार पर रबी एवं खरीफ सीजन के दौरान FCI और राज्य निगमों द्वारा गेहूँ और धान की खरीद की जाती है।
    - खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के अनुरूप की जाती है।

नवीनतम अद्यतन

- **चावल के लिए आरक्षित मूल्य का निर्धारण:** राज्य सरकारों, राज्य सरकार के निगमों और सामुदायिक रसोई को बिक्री के लिए चावल का आरक्षित मूल्य ₹2,250 प्रति क्विंटल (पूरे भारत में) तय किया गया है, इसके लिए ई-नीलामी में भाग लेने की आवश्यकता नहीं है।
- **इथेनॉल उत्पादन सहायता:** इथेनॉल उत्पादन के लिए इथेनॉल डिस्टिलरी को बिक्री के लिए चावल का आरक्षित मूल्य भी ₹2,250 प्रति क्विंटल (पूरे भारत में) तय किया गया है।

उद्देश्य और आवश्यकता

- OMSS को गेहूँ और चावल की घरेलू आपूर्ति को प्रबंधित करने और बढ़ाने के लिए कम उत्पादन वाले मौसम (फसलों के बीच की अवधि) के दौरान सक्रिय किया जाता है।
    - इसका उद्देश्य खुले बाजार में खाद्यान्न की कीमतों को कम करना और खाद्यान्न मुद्रास्फीति को कम करना है।
- हाल के निर्णय भारत सरकार की राज्य योजनाओं के अंतर्गत अपने दायित्वों को पूरा करने, खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ऊर्जा रणनीति के हिस्से के रूप में इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने में राज्यों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- भारतीय खाद्य निगम (FCI) खाद्य निगम अधिनियम 1964 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- यह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य प्रभावी मूल्य समर्थन संचालन के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा करना है।
    - देश भर में खाद्यान्नों का वितरण सुनिश्चित करता है।
    - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए खाद्यान्नों के पर्याप्त परिचालन और बफर स्टॉक को बनाए रखता है।

Source :PIB

स्पैम से निपटने के लिए लेजर प्रौद्योगिकी (Ledger Technology to Tackle Spam)

संदर्भ

- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) ग्राहकों की स्पैम प्राथमिकताओं को पंजीकृत करने के लिए वितरित खाता प्रौद्योगिकी (DLT) का उपयोग करेगा।

परिचय

- TRAI ने संकेत दिया है कि वाणिज्यिक संदेशों को ट्रेस करने योग्य बनाने के लिए स्पैम नियमों को कड़ा किया जाएगा।
- स्पैम संदेश और कॉल अवांछित, अनचाहे संचार को संदर्भित करते हैं जो सामान्यतः विज्ञापन, घोटाले या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए भेजे जाते हैं।

स्पैम की चिंताएँ

- **गोपनीयता का उल्लंघन:** स्पैम कॉल और संदेश प्रायः व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन करते हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत जानकारी का अवांछित साझाकरण शामिल हो सकता है।
- **घोटाले और धोखाधड़ी:** विभिन्न स्पैम संदेश और कॉल का उपयोग व्यक्तियों को संवेदनशील डेटा (जैसे बैंक विवरण) साझा करने के लिए धोखा देने के लिए किया जाता है, जिससे वित्तीय हानि और पहचान की चोरी होती है।
- **अतिभार और व्यवधान:** स्पैम संदेशों और कॉलों की भारी मात्रा उपयोगकर्त्ताओं को परेशान कर सकती है, दैनिक जीवन को बाधित कर सकती है, तथा परेशानी का कारण बन सकती है।
- **नियामक चुनौतियाँ:** हालाँकि स्पैम को रोकने के लिए TRAI दिशा-निर्देश जैसे कानून हैं, लेकिन प्रवर्तन प्रायः कमजोर होता है, और स्पैमर्स की नई रणनीतियाँ नियामक प्रयासों से आगे निकल जाती हैं।
- **जागरूकता की कमी:** विभिन्न लोग, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, स्पैम को ब्लॉक करने या रिपोर्ट करने के तरीके से अनजान हैं, जिससे वे घोटालों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

भारत में स्पैम के नियमन:

- ट्राई दूरसंचार उद्योग को नियंत्रित करता है, और इसकी मुख्य भूमिका अनचाहे वाणिज्यिक संचार (UCC) को नियंत्रित करना है, जो स्पैम का आधिकारिक नाम है।
- **DND रजिस्ट्री:** 2007 में प्रारंभ करके, नियामक ने एक डू-नॉट-डिस्टर्ब (DND) रजिस्ट्री लागू की, अगर कोई दूरसंचार ग्राहक DND रजिस्ट्री में साइन अप करता है, तो उसे कोई स्पैम कॉल या SMS संदेश नहीं मिलने चाहिए।
- **TCCCPR 2018:** दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियमन (TCCCPR), 2018 के तहत, DND-पंजीकृत ग्राहकों को कॉल करने या संदेश भेजने वाले टेलीमार्केटर्स को चेतावनी मिलेगी।
  - अगर पर्याप्त चेतावनियाँ जमा हो जाती हैं, तो उन्हें दूरसंचार ऑपरेटरों को संदेश भेजने से ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।
- 2024 में, TRAI ने अनिवार्य किया कि TRAI रिपोर्टिंग प्रत्येक दूरसंचार प्रदाता के ऐप पर उपलब्ध कराई जाए।

वितरित लेजर टेक्नोलॉजी (DLT)

- TRAI ने दूरसंचार कंपनियों को ब्लॉकचेन लेज़र का उपयोग करने का आदेश दिया है, जिसे वितरित लेज़र के रूप में भी जाना जाता है।
  - ब्लॉकचेन एक तकनीक के रूप में तथाकथित अपरिवर्तनीयता की अनुमति देता है, जिसका अर्थ है कि लेनदेन में शामिल प्रत्येक हितधारक के पास एक ही डेटा का एक विश्वसनीय, संशोधन न किया जा सकने वाला संस्करण होता है।
- **विशेषताएँ:**
  - यह SMS संदेशों के स्वीकृत प्रेषकों की लगातार अपडेट की जाने वाली सूची संगृहित करेगा।
  - दूरसंचार कंपनियों को संदेशों के विशिष्ट प्रारूपों को भी अनुमोदित करना होगा।
  - यह विषय में कहीं भी SMS स्पैम से लड़ने के लिए जारी किए गए सबसे कठोर नियमों में से एक है।
- **महत्त्व:**
  - इससे यह सुनिश्चित होगा कि SMS गेटवे पर भेजे जाने से पहले दूरसंचार कंपनियों के पास संदेश जारी करने वाले व्यक्ति का पूरा रिकॉर्ड होगा।
  - इसका उद्देश्य सिस्टम में एक महत्त्वपूर्ण दोष को दूर करना था जो किसी को भी ब्लॉकचेन समाधान पर पंजीकरण करने की अनुमति देता था।

स्पैम को चिह्नित करने के अन्य उपाय:

- **संचार साथी पोर्टल:** दूरसंचार विभाग (DoT) ने संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया है, जिसकी रिपोर्टिंग साइट चक्षु है।
- DoT ने "संदिग्ध धोखाधड़ी" कॉल और संदेशों की रिपोर्ट स्वीकार करने के लिए कानून प्रवर्तन, बैंकों और अन्य हितधारकों के साथ भागीदारी की है।
- इसने अनधिकृत टेलीमार्केटर्स और स्कैमर्स से जुड़े लाखों नंबरों को रद्द करने का कदम उठाया है।

- इसने वास्तविक समय में संदिग्ध इंटरनेट ट्रैफ़िक की निगरानी के लिए अपने नई दिल्ली मुख्यालय में दूरसंचार सुरक्षा संचालन केंद्र भी स्थापित किया है।
- एयरटेल जैसी फर्मों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संदिग्ध कॉल को "संदिग्ध स्पैम" घोषित करने के लिए कदम उठाए हैं, एक ऐसा कदम जिसे अन्य टेलीकॉम कंपनियों द्वारा भी दोहराया जा रहा है।
  - टेलीकॉम ने स्मार्टफोन पर अंतर्राष्ट्रीय कॉल को लेबल करना भी प्रारंभ कर दिया है।

Source: TH

बाह्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

संदर्भ

- RBI के अनुसार, घरेलू फर्मों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (OFDI) 2024 में लगभग 17% बढ़कर 37.68 बिलियन डॉलर हो गया है।

परिचय

- 2023 में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 32.29 बिलियन डॉलर रहा।
- विगत कैलेंडर वर्ष में स्थानीय कंपनियों द्वारा इक्विटी के रूप में विदेशी FDI 12.69 बिलियन डॉलर रहा, जो 2023 की तुलना में 40% अधिक है।
- यह एक सकारात्मक संकेत है कि भारतीय कंपनियां भी वैश्विक हो रही हैं।

ओवरसीज प्रत्यक्ष निवेश

- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ODI) किसी कंपनी या व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे देश में स्थित परिसंपत्तियों या व्यवसायों में किए गए निवेश को संदर्भित करता है।
- इसमें किसी विदेशी व्यवसाय का प्रत्यक्ष स्वामित्व और नियंत्रण करना या विदेशी बाज़ारों में सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या शाखाओं जैसे संचालन स्थापित करना शामिल है।
- **ODI के संबंध में मुख्य बिंदु:**
  - **नियंत्रण और प्रभाव:** विदेशी व्यवसाय पर नियंत्रण या प्रभाव का एक महत्त्वपूर्ण स्तर (सामान्यतः कम से कम 10% स्वामित्व)।
  - **उद्देश्य:** अपने परिचालन का विस्तार करना, नए बाज़ारों तक पहुँचना, संसाधनों से लाभ उठाना या जोखिमों में विविधता लाना।
- **निवेश के रूप:** इसमें विदेशी कंपनियों, रियल एस्टेट, बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं या अन्य परिसंपत्तियों में निवेश शामिल हो सकते हैं।
  - **भारत द्वारा निवेश के लिए क्षेत्र:** होटल, निर्माण, विनिर्माण, कृषि, खनन और सेवाएँ।
  - **निवेश के लिए देश:** सिंगापुर, US, UK, UAE, सऊदी अरब, ओमान और मलेशिया, अन्य।

महत्त्व

- प्रौद्योगिकी और कौशल का हस्तांतरण, अनुसंधान और विकास (R&D) के परिणामों को साझा करना,
- व्यापक वैश्विक बाजार तक पहुँच,

- ब्रांड छवि को बढ़ावा देना,
- रोजगार सृजन और भारत एवं मेजबान देश में उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग,
- विदेशी व्यापार को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय का स्रोत भी।

निष्कर्ष

- संयुक्त उद्यम (JVs) और पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां (WOS) भारतीय व्यवसायों के लिए अपनी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण रास्ते बन गए हैं।
- यह तथ्य कि भारतीय कंपनियां अपनी सहायक कंपनियों में निवेश कर रही हैं, यह दर्शाता है कि वे बाहर भी विस्तार कर रही हैं।
- भारतीय कंपनियों की निरंतर अंतर्राष्ट्रीय पहुँच न केवल उन्हें वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में सहायता कर रही है, बल्कि भारत और अन्य देशों के मध्य गहरे आर्थिक संबंधों को भी बढ़ावा दे रही है।

Source: IE

संक्षिप्त समाचार

कलारिपयाट्टू

समाचार में

- उत्तराखंड में 28 जनवरी से प्रारंभ होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के प्रदर्शन खंड में कलारीपयट्टू को हटा दिया गया है।

कलारिपयाट्टू

- यह एक प्राचीन मार्शल आर्ट है जिसकी उत्पत्ति भारत के केरल से हुई है, लेकिन इसका अभ्यास विश्व भर में किया जाता है।
    - मलयालम में "कलारी" शब्द एक पारंपरिक व्यायामशाला को संदर्भित करता है जहाँ इस मार्शल आर्ट को, जिसे पयाट्टू के नाम से जाना जाता है, सिखाया जाता है।
- **पौराणिक मान्यता:** कुछ लोगों का मानना है कि कलारीपयट्टू का आरंभ भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम ने समुद्र से केरल को पुनः प्राप्त करने के पश्चात् की थी।
    - हालाँकि, इतिहासकार इसकी उत्पत्ति 200 ईसा पूर्व और 600 ईसवी के बीच मानते हैं, तथा इसकी लोकप्रियता 14वीं और 16वीं शताब्दी के मध्य चरम पर थी।

- **कलारीपयट्टू के चरण:**
    - **मैप्पयाट्टू:** शरीर को तैयार करने का चरण, युद्ध के लिए शरीर को तैयार करना।
    - **कोलथारी:** आक्रमण और आत्मरक्षा के लिए लकड़ी के हथियारों (छोटी और लंबी छड़ियों) के साथ प्रशिक्षण।

- **अंगथारी:** लकड़ी के हथियारों के भय पर नियंत्रण पाने के पश्चात् तीखे धातु के हथियारों से प्रशिक्षण।
- **वेरुमकाई:** नग्न हाथों से लड़ना, जिसमें शरीर की शारीरिक रचना और हमलों के लिए लक्ष्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

- **महत्त्व:** समय के साथ इतिहासकारों एवं कवियों द्वारा दर्ज किए गए अनुसार, इसकी जटिल तकनीकों, सुंदर चाल और इसके अभ्यासकर्त्ताओं के प्रभावशाली लचीलेपन के लिए इसकी व्यापक रूप से प्रशंसा की गई है।

राष्ट्रीय खेल 2025

- उत्तराखंड 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक राष्ट्रीय खेलों 2025 की मेज़बानी करेगा।
- 38 खेलों में 10,000 से अधिक एथलीट, अधिकारी और कोच हिस्सा लेंगे।
- खेलों का शुभंकर "मौली" है, जो मोनाल (उत्तराखंड का राज्य पक्षी) से प्रेरित है।
- खेलों की टैगलाइन है: "संकल्प से शिखर तक"।

Source :IE

ब्रिक्स (BRICS)

समाचार में

- नाइजीरिया बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान के साथ मिलकर ब्रिक्स का नौवाँ साझेदार देश बन गया है।

ब्रिक्स के संबंध में

- **परिभाषा:** ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी अनौपचारिक समूह है जिसका उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना और उनके वैश्विक प्रभाव को बढ़ाना है।
- **सदस्य:** ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन (ये संस्थापक सदस्य हैं); दक्षिण अफ्रीका 2010 में शामिल हुआ; ईरान, UAE, मिस्र, इथियोपिया 2024 में शामिल हुए, इंडोनेशिया 2025 में शामिल हुआ।
  - अर्जेंटीना के प्रारंभ में 2024 में शामिल होने की संभावना थी, लेकिन बाद में उसने इससे बाहर निकलने का विकल्प चुना।
- **पृष्ठभूमि:** पहला BRIC शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में आयोजित किया गया था।
- **महत्त्व:** ब्रिक्स समूह वैश्विक आबादी का लगभग 40% प्रतिनिधित्व करता है, जो इसे विश्व के सबसे बड़े जनसांख्यिकीय ब्लॉकों में से एक बनाता है।
  - यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित 37.3% भी है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसके महत्त्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है।

Source: TOI

प्रतिभूति लेन-देन कर

संदर्भ

- प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) संग्रह में 75% से अधिक की वृद्धि हुई है, जो जनवरी 2025 तक 44,538 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह 25,415 करोड़ रुपये था।

प्रतिभूति लेन-देन कर (STT) क्या है?

- STT एक प्रकार का कर है जो भारत में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों पर स्टॉक, म्यूचुअल फंड और डेरिवेटिव जैसी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री पर लगाया जाता है।
  - यह एक प्रत्यक्ष कर है, जिसका अर्थ है कि यह प्रतिभूतियों के लेनदेन मूल्य पर प्रत्यक्ष लगाया जाता है।
- भारत में STT को 2004 में "स्टाम्प ड्यूटी" नामक प्रतिभूति लेनदेन पर कर लगाने की पुरानी प्रणाली को बदलने के लिए प्रस्तुत किया गया था।
- 2024 के बजट में प्रतिभूतियों के वायदा और विकल्प (F&O) पर प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) को क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है।

Source: IE

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन

समाचार में

- नॉर्ड स्ट्रीम सबसी पाइपलाइन लीक से वायुमंडल में अनुमानतः 465±20 हजार मीट्रिक टन मीथेन उत्सर्जित हुई।

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन के संबंध में

- **नॉर्ड स्ट्रीम के संबंध में:** यह बाल्टिक सागर के नीचे 1,200 किलोमीटर तक फैली एक प्रमुख सबसी गैस पाइपलाइन प्रणाली है, जिसे रूस से यूरोप तक प्राकृतिक गैस पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **मुख्य विशेषताएँ:** गैस पश्चिमी साइबेरिया, रूस में बोवेनेंकोवो तेल और गैस संघनित जमा से निकलती है।
- **घटक:** नॉर्ड स्ट्रीम 1 2011 में पूरी हुई (रूस के लेनिनग्राद ओब्लास्ट में वायबोर्ग से लुबमिन, जर्मनी तक का मार्ग।)
  - नॉर्ड स्ट्रीम 2 2021 में पूरी हुई (रूस के लेनिनग्राद ओब्लास्ट में उस्त-लुगा से लुबमिन, जर्मनी तक का मार्ग।)

महत्त्व

- नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइनें विश्व की सबसे बड़ी सबसी गैस पाइपलाइनों में से एक हैं।
- वे यूरोप की ऊर्जा रणनीति के लिए केंद्रीय हैं, लेकिन भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय परिचर्चाओं के केंद्र में भी रही हैं, विशेषकर रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच।

Source: Nature

डार्क ऑक्सीजन (Dark Oxygen)

समाचार में

- क्लेरियन-क्लिपर्टन क्षेत्र में "डार्क ऑक्सीजन" उत्पादन की हाल की खोज ने ऑक्सीजन उत्पादन की पारंपरिक समझ को चुनौती दी है, जो लंबे समय से सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता वाले प्रकाश संश्लेषण से जुड़ी हुई है।

मुख्य निष्कर्ष

- प्रशांत महासागर की सतह से 4,000 मीटर नीचे पाए गए धातु पिंड इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं।
- यह प्रक्रिया सूर्य के प्रकाश पर निर्भर नहीं करती है, जो ऑक्सीजन उत्पादन की समझ में एक आदर्श परिवर्तन को दर्शाता है।

संभावित अनुप्रयोग

- यह घटना पृथ्वी और अन्य ग्रहों पर चरम वातावरण में जीवन के बारे में जानकारी प्रदान कर सकती है।
- "डार्क ऑक्सीजन" उत्पादन को समझना, रहने की क्षमता के मानदंडों का विस्तार करके अलौकिक जीवन की खोज में सहायता कर सकता है।

Source: NDTV

भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक प्रणाली

समाचार में

- भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक प्रणाली, SSI मंत्रा का उपयोग दो जटिल हृदय शल्यचिकित्साओं को दूर से करने के लिए किया गया, जिसमें सर्जन गुरुग्राम में और मरीज जयपुर में थे।

SSI मंत्रा के संबंध में

- SSI मंत्रा एक रोबोटिक प्रणाली है जो जेनिटो-यूरो-ऑन्कोलॉजी मामलों में जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ करती है।
- इसे SSI लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है और यह विश्व भर में एकमात्र रोबोटिक प्रणाली है जिसे टेलीसर्जरी और टेली-प्रॉक्टरिंग के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त है।
- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) द्वारा हाल ही में इसकी मंजूरी से दूरस्थ सर्जरी और चिकित्सा शिक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे स्वास्थ्य पेशेवरों को दूरियों के बावजूद सहयोग करने की सुविधा मिलेगी।
- **लाभ:** कम ऑपरेशन समय, बेहतर परिशुद्धता, न्यूनतम आघात, कम रक्त हानि, तेजी से रिकवरी, और संक्रमण का कम जोखिम।

- इस प्रौद्योगिकी का उद्देश्य शल्य चिकित्सा देखभाल में भौगोलिक अंतर को समाप्त करना है, जिससे टेली-सर्जरी विश्व स्तर पर सुलभ हो सके।
- **व्यापक रूप से अपनाने की चुनौतियाँ:** रोबोटिक सर्जरी की उच्च लागत, जो वर्तमान में मेट्रो और टियर-1 शहरों में अधिक उपलब्ध है।
    - अन्य चुनौतियों में विलंब समय, अच्छी कनेक्टिविटी की आवश्यकता और संभावित तकनीकी समस्याओं का समाधान शामिल है।

Source :TH

DDT-युक्त मिट्टी

संदर्भ

- स्वीडन के शोधकर्त्ताओं ने DDT (डाइक्लोरो-डाइफेनिल-ट्राइक्लोरोइथेन) से दूषित बंजर मृदा को बायोचार के साथ मिलाकर पुनः उपजाऊ बनाने की विधि खोजी है।

परिचय

- बायोचार चारकोल की तरह ही एक पर्यावरण अनुकूल पदार्थ है, जिसमें DDT जैसे प्रदूषकों को बाँधने की क्षमता होती है।
- यह बंधन विष को मृदा के जीवों द्वारा अवशोषित होने से रोकता है, जिससे इसके हानिकारक प्रभाव सीमित हो जाते हैं।
- मृदा के साथ मिश्रित होने पर, बायोचार मृदा की उर्वरता में सुधार करता है और प्रदूषण के प्रभावों को कम करने में सहायता करता है।

DDT क्या है?

- **DDT (डाइक्लोरोडाइफेनिलट्राइक्लोरोइथेन)** एक रसायन है, जिसे प्रथम बार 1874 में संश्लेषित किया गया था और इसके कीटनाशक गुणों की खोज 1939 में की गई थी।
    - हालाँकि प्रारंभ में इसे एक प्रभावी कीट नियंत्रण उपकरण के रूप में सराहा गया था, लेकिन इसके दीर्घकालिक उपयोग से गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ उत्पन्न हुई हैं।
- **हानिकारक प्रभाव:** DDT मनुष्यों और जानवरों दोनों के वसायुक्त ऊतकों में जमा हो जाता है, जिससे लंबे समय तक इसका संपर्क बना रहता है। DDT एक स्थायी कार्बनिक प्रदूषक (POP) है।
    - इसे 1972 में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिबंधित कर दिया गया था।
    - कुछ देश, मुख्य रूप से अफ्रीका में, अभी भी मलेरिया और अन्य कीट जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए DDT का उपयोग करते हैं।
- **भारतीय परिदृश्य:** भारत मुख्य रूप से मलेरिया और डेंगू जैसी वेक्टर जनित बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए DDT का उत्पादन एवं उपयोग करना जारी रखता है।
    - हिंदुस्तान कीटनाशक लिमिटेड (HIL) भारत में DDT का एकमात्र निर्माता है।

Source: DTE

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

संदर्भ

- असम पुलिस प्रमुख ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

- **CRPF के संबंध में:** CRPF भारत संघ का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है जिसे आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने का कार्य सौंपा गया है।
- **उत्पत्ति:** 1939 में मूल रूप से क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में स्थापित, यह सबसे पुराने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में से एक है।
    - भारत की रियासत के अंदर बढ़ती राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में।
- **मंत्रालय:** गृह मंत्रालय।
- **CRPF की मुख्य भूमिकाएँ:**
    - **कानून और व्यवस्था:** विरोध प्रदर्शन, दंगे और चुनावों के दौरान शांति बनाए रखने में सहायता करता है।
    - **उग्रवाद विरोधी अभियान:** सशस्त्र विद्रोहियों, आतंकवादियों और चरमपंथी समूहों के विरुद्ध अभियान चलाता है, विशेषकर जम्मू एवं कश्मीर और पूर्वोत्तर जैसे क्षेत्रों में।
    - **आपदा प्रतिक्रिया:** प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सहायता प्रदान करता है।
- **CRPF की विशेष इकाइयाँ:** कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा), जंगल युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में माहिर हैं, विशेषकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में।
- **रैपिड एक्शन फोर्स (RAF):** दंगों को नियंत्रित करने और सार्वजनिक अशांति से निपटने पर ध्यान केंद्रित करती है।

Source: TH

जलकुंभी (Water Hyacinth)

संदर्भ

- हाल ही में, केन्या की नैवाशा झील पर मछुआरों के एक समूह के फंसे होने की खबर मिली थी, क्योंकि झील के बड़े भाग पर जलकुंभी जमा हो गई थी।

परिचय

- **वैज्ञानिक नाम:** इचोर्निया क्रैसिप्स
- यह दक्षिण अमेरिका का मूल निवासी है और 1980 के दशक में केन्या में एक सजावटी पौधे के रूप में लाया गया था।
- यह भारत सहित दक्षिण एशिया के जल निकायों में सामान्य जलीय खरपतवार है।
    - इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान एक सजावटी जलीय पौधे के रूप में भारत में लाया गया था।

- इसे विश्व में सबसे आक्रामक जलीय पौधों की प्रजाति माना जाता है।

- **चिंताएँ:**
    - **जलमार्गों को अवरुद्ध करना:** यह तेजी से बढ़ता है, प्रायः घने मैट बनाता है जो नदियों, झीलों और नहरों को अवरुद्ध करता है, जिससे जल परिवहन एवं सिंचाई बाधित होती है।
    - **पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करना:** यह जल में ऑक्सीजन के स्तर को कम करता है, जलीय जीवन को हानि पहुँचाता है, और जल के नीचे के पौधों तक सूर्य के प्रकाश को पहुँचने से रोकता है।
    - **आर्थिक प्रभाव:** अवरोधन मछली पकड़ने, जल की गुणवत्ता और मनोरंजक गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है, जिससे महत्त्वपूर्ण वित्तीय हानि हो सकती है।
- जलकुंभी को नियंत्रित करने के प्रयासों में भौतिक निष्कासन, जैविक नियंत्रण (कीटों या अन्य प्रजातियों का उपयोग करके) और रासायनिक उपचार सम्मिलित हैं।

Source: TH

NDRF स्थापना दिवस

समाचार में

- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) के स्थापना दिवस पर इसके बहादुर कर्मियों को सलाम किया।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) के संबंध में

- आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अंतर्गत आपदा प्रतिक्रिया में विशेषज्ञता के लिए 2006 में इसकी स्थापना की गई थी।
    - प्रारंभ में इसका ध्यान कानून और व्यवस्था पर था, लेकिन बाद में यह आपदा प्रतिक्रिया के लिए समर्पित हो गया।
- इसका आदर्श वाक्य है "आपदा सेवा सदैव सर्वत्र"।
- **संगठनात्मक संरचना:** इसमें विभिन्न CAPF बलों (BSF, CISF, सीआरपीएफ, ITBP, SSB, और असम राइफल्स) से ली गई 16 बटालियन सम्मिलित हैं।
    - प्रत्येक बटालियन में 18 विशेष खोज और बचाव दल होते हैं, जिनमें से प्रत्येक में 47 सदस्य (इंजीनियर, तकनीशियन, पैरामेडिक्स, कैनाइन इकाइयाँ) होते हैं।
    - बल की कुल ताकत प्रति बटालियन 1,149 कर्मियों की है।
    - यह महानिदेशक, NDRF की एकीकृत कमान के तहत कार्य करता है।

- **मुख्य माइलस्टोन:** NDRF की सक्रिय और रणनीतिक तैनाती ने कोसी बाढ़ (2008), जम्मू एवं कश्मीर बाढ़ (2014) और नेपाल भूकंप (2015) जैसी विभिन्न आपदाओं से होने वाली हानि को प्रभावी ढंग से कम किया है।
  - NDRF ने रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (CBRN) चुनौतियों को भी संभाला है तथा 2023 के भूकंप के पश्चात् तुर्की एवं सीरिया जैसे अंतर्राष्ट्रीय बचाव अभियानों में सम्मिलित रहा है।
  - उल्लेखनीय घरेलू कार्यों में बालासोर रेल दुर्घटना, उत्तरकाशी सुरंग दुर्घटना तथा विभिन्न अन्य आपदाओं से निपटने के कार्य शामिल हैं।

Source :PIB

■■■■